औरैया में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों को संबोधित किया

ओडीओपी से दो करोड़ युवाओं को स्वरोजगार

किसान सम्मेलन

05 प्रगतिशील किसानों को सीएम ने किया सम्मानित

■ इटावा, औरैया, कन्नौज में मक्के की खेती का हवाई सर्वे

औरैया, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, प्रदेश में निवेश के जरिये 65 लाख युवाओं को रोजगार मिला है। एक जनपद, एक उत्पाद योजना के तहत दो करोड़ युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया है। डबल इंजन की सरकार में व्यापारी भी सुरक्षित हैं और बेटियां भी। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को पता है कि अब उन्होंने ऐसा किया तो अगले चौराहे पर उन्हें यमराज ही मिलने वाले हैं।

सीएम योगी रविवार को अजीतमल के जनता महाविद्यालय में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। कानपुर देहात, कन्नौज, इटावा और औरैया में मक्के की खेती का हवाई सर्वे करने के बाद सम्मेलन में पहुंचे सीएम ने पूर्व की सरकारों पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहले जब भर्तियां निकलती थीं तो चाचा-भतीजे की ऐसी नजर पड़ती थी कि भर्ती विवादित हो जाती थी। इस दौरान सीएम ने पांच प्रगतिशील किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, राज्य कृषि मंत्री बृजेश शुक्ला, सांसद गीता शाक्य, सदर विधायक गुड़िया कठेरिया आदि मौजूद रहे।

औरैया के अजीतमल स्थित जनता महाविद्यालय में रविवार को आयोजित किसान सम्मेलन में हल दिखाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। इस दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही और राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला भी मौजूद रहीं।

मकई का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित होगा : योगी

जनता महाविद्यालय में रविवार को आयोजित किसान सम्मेलन में पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार जल्द ही मकई का भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करेगी। औरैया में मकई के लिए शीघ्र ही क्रय केंद्र खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि मकई को उबालकर नमक मिर्च और मसाला डाल खा लिया तो यह संपूर्ण आहार का काम करता है। स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न, फ्यूल और बायोप्लास्टिक के रूप में इसकी उपयोगिता बढ़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लैब, आईसीआर, कृषि विश्वविद्यालय, कृषि विज्ञान केंद्र व अन्य संस्थानों में कार्यरत वैज्ञानिक पहली बार लैंड पर जाकर किसानों के साथ कृषि की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए कार्य कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। विकसित कृषि संकल्प अभियान का उद्देश्य लैब से लैंड तक जाना है। कृषि वैज्ञानिक लैब के साथ ही लैंड पर भी जाएंगे।